टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(अनुसूची 'ए', मिनी रत्न पीएसयू)
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)

Great Place To Work. Certified

गंगावतरणम
GANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

विद्युत उत्पादन
हमारी कटिबद्धता...
समाज का विकास
हमारी प्रतिबद्धता...

जून, 2026

मुख्य संरक्षक
श्री सिपन कुमार गर्ग
प्रबंध निदेशक

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
मुख्य महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी
श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

खुर्जा
श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक (जनसंपर्क)
व **श्री अविनाश कुमार**
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश
श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी

संपादकीय

प्रिय सुधी पाठकगण,

'गंगावतरणम्' के जून 2026 अंक में आपका हार्दिक स्वागत है।

प्रत्येक माह की भाँति इस अंक में भी टीएचडीसी परिवार की विभिन्न गतिविधियों, उपलब्धियों तथा रचनात्मक प्रयासों को संकलित कर आपके समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

बीता माह संगठन के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रमों, तकनीकी उपलब्धियों, सामाजिक पहलों तथा कर्मचारी सहभागिता से परिपूर्ण रहा। इन सभी गतिविधियों ने न केवल संगठन के कार्यों को नई गति प्रदान की, बल्कि टीम भावना, सीखने की संस्कृति और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी सशक्त किया।

इस अंक में संसदीय राजभाषा समिति की द्वितीय उपसमिति द्वारा कोटेश्वर कार्यालय के राजभाषा निरीक्षण का विस्तृत विवरण सम्मिलित है। यह अवसर कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग तथा राजभाषा के संवर्धन की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिचायक है। इसी क्रम में विक्रेता विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन उद्योग जगत के साथ संवाद, सहयोग और पारदर्शी कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रही है।

तकनीकी क्षेत्र में भी टीएचडीसी ने अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना में यूनिट-1 के मेन इनलेट वाल्व की सफल स्थापना परियोजना की प्रगति में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो हमारे अभियंताओं एवं परियोजना दल की दक्षता, समन्वय और सतत प्रयासों का परिणाम है।

इस माह स्वास्थ्य, पर्यावरण और जन-जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का भी सफल आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित गतिविधियों ने प्रकृति संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया, वहीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन ने स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक संतुलन के महत्व को रेखांकित किया। विश्व रक्तदाता दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर तथा नेत्र स्वास्थ्य जागरूकता एवं निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर जैसी पहलें कर्मचारी कल्याण और सामाजिक सेवा के प्रति संगठन की संवेदनशीलता को दर्शाती हैं।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में 'मिशन शक्ति–2026' के अंतर्गत टिहरी एवं खुर्जा परियोजनाओं में आयोजित कार्यक्रमों ने शिक्षा, जागरूकता और आत्मनिर्भरता के संदेश को आगे बढ़ाया। इसके साथ ही विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, तथा ग्रीष्मकालीन खेल प्रतियोगिताओं ने सीखने, स्वास्थ्य, रचनात्मकता और आपसी सहयोग की भावना को प्रोत्साहित किया।

'गंगावतरणम्' केवल समाचारों का संकलन नहीं है, बल्कि यह टीएचडीसी परिवार के अनुभवों, उपलब्धियों और सहभागिता का साझा मंच भी है। इस अंक में हमारे सहकर्मियों द्वारा लिखे गए लेख, विचार एवं रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ भी सम्मिलित हैं, जो संगठन में ज्ञान-साझाकरण और सृजनात्मक संवाद की संस्कृति को समृद्ध बनाते हैं। हमें विश्वास है कि इन लेखों के माध्यम से पाठकों को नए दृष्टिकोण और उपयोगी जानकारियाँ प्राप्त होंगी।

हम आशा करते हैं कि इस अंक की सामग्री आपको जानकारी के साथ-साथ संगठन की विविध गतिविधियों से जुड़े रहने का अवसर भी प्रदान करेगी। आप सभी से अनुरोध है कि भविष्य में भी अपने लेख, अनुभव, नवाचार, सुझाव एवं रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ हमें भेजते रहें, ताकि 'गंगावतरणम्' टीएचडीसी परिवार की सामूहिक सोच, अनुभवों और उपलब्धियों का सशक्त दस्तावेज बना रहे।

सादर।

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक

मन:प्रशमनोपायो योग इत्यभिधीयते।
The recourse to pacify the mind is called yoga.

प्रबंध निदेशक का संदेश

प्रिय साथियों,
'गंगावतरणम्' के जून 2026 अंक के माध्यम से आप सभी से संवाद करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।
टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड आज ऊर्जा क्षेत्र में अपनी सुदृढ़ पहचान को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। हमारी प्रत्येक परियोजना, प्रत्येक इकाई और प्रत्येक कार्यस्थल पर विकास की गति निरंतर जारी है। निर्माणाधीन परियोजनाओं में समयबद्ध प्रगति, परिचालन परियोजनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा नई व्यावसायिक संभावनाओं की खोज इस बात का प्रमाण हैं कि हम भविष्य की चुनौतियों को अवसरों में बदलने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।
हमारा लक्ष्य केवल विद्युत उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के सर्वश्रेष्ठ एवं सर्वाधिक विश्वसनीय विद्युत क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों में अपना स्थान और अधिक सुदृढ़ करना है। इस दिशा में तकनीकी उत्कृष्टता, नवाचार, गुणवत्ता, सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सुशासन तथा हितधारकों के साथ विश्वासपूर्ण संबंध हमारी सबसे बड़ी शक्ति हैं।
बीते माह आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ, चाहे वे तकनीकी उपलब्धियाँ हों, विक्रेता विकास कार्यक्रम, राजभाषा संवर्धन, योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण अथवा प्रशिक्षण एवं खेल गतिविधियाँ, हमारी समग्र कार्य-संस्कृति को प्रतिबिंबित करती हैं। ये सभी प्रयास हमें एक उत्तरदायी, सक्षम और भविष्य के लिए तैयार संगठन के रूप में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।
प्रिय साथियों, किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी मानव संपदा होती है। आप सभी का समर्पण, अनुशासन, नवाचार के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण तथा टीम भावना ही टीएचडीसी की सबसे बड़ी पूंजी है। मैं आप सभी से अपेक्षा करता हूँ कि हम प्रत्येक कार्य को स्वामित्व की भावना, सक्रिय सहभागिता और उत्कृष्टता के संकल्प के साथ संपन्न करें। यदि हम सभी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और उत्तरदायित्व के साथ करें, तो कोई भी लक्ष्य हमारे लिए असंभव नहीं है।
आइए, हम सभी मिलकर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने, राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने तथा सतत एवं समावेशी विकास के अपने संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ें।
मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी के सहयोग, समर्पण और सामूहिक प्रयासों से टीएचडीसी आने वाले वर्षों में उपलब्धियों के नए आयाम स्थापित करेगा।
मैं टीएचडीसी परिवार के प्रत्येक सदस्य से अपेक्षा करता हूँ कि आप इसी उत्साह, प्रतिबद्धता और उत्तरदायित्व के साथ संगठन के लक्ष्यों की प्राप्ति में अपना सक्रिय योगदान देते रहेंगे। आप सभी के सामूहिक प्रयास ही टीएचडीसी की सबसे बड़ी शक्ति हैं और यही हमें उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में सहायक सिद्ध होंगे |
जय हिन्द ! जय भारत !

सिपन कुमार गर्ग
प्रबंध निदेशक

THDCIL Successfully Lowers and Installs Unit-1 Main Inlet Valve at 444 MW VPHEP

THDC India Limited has achieved a significant milestone at its 444 MW (4x111 MW) Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project (VPHEP) with the successful lowering and placement of the assembled Main Inlet Valve (MIV) of Unit-1 on 02 June, 2026.

The milestone event was virtually graced by Sh. Sipan Kumar Garg, Managing Director, THDC India Ltd., who congratulated the entire project team for their dedication and commitment in achieving this significant feat. Sh. Garg stated that the accomplishment marks a critical advancement in the Electro-Mechanical installation works of the project, moving it closer towards operational readiness and successful completion. Owing to its large size, complex assembly and vital role in plant operations, the successful lowering and installation of the MIV represents a major project milestone in the execution of the project.

The Main Inlet Valve (MIV) is a critical Electro-Mechanical component installed between the penstock and the Turbine in a hydropower plant. Its primary function is to regulate and isolate the flow of water entering the Turbine. The MIV serves as an essential safety and operational device, enabling the Turbine unit to be safely shut down during emergencies, maintenance activities and abnormal operating conditions.

On the occasion, Sh. L. P. Joshi, Chief Technical Officer (CTO), and Sh. Kumar Sharad, Executive Director (Projects), congratulated the VPHEP team and appreciated their unwavering dedication, technical excellence and seamless coordination.

Sh. Ajay Verma, Executive Director (VPHEP), expressed his gratitude to the THDCIL management for their continuous guidance and support. He acknowledged the collective efforts of engineers, employees and stakeholders whose commitment made this achievement possible.

Senior officials present on the occasion included Sh. Ravindra Singh Rana, GM (EM); Sh. R. P. Mishra, GM (Dam); Sh. Himangshu Chakravorty, AGM (Finance); Sh. B. S. Pundir, AGM (Planning/Safety); Sh. S. P. Dobhal, AGM (PH); Sh. Ajay Kumar, AGM (G&G); Sh. O. P. Arya, AGM (CO/Township); Sh. R. S. Panwar, DGM (CO); Sh. S. C. Bhatt, DGM (QC); Sh. Anil Nautiyal, DGM (HM); Sh. Karan Bargali, DGM (EM); Sh. Anil Raj, DGM (EM), along with other officers and employees of the project.

मनःप्रशमनोपायो योग इत्यभिधीयते।
The recourse to pacify the mind is called yoga.

THDC India Limited Achieves Key Milestone with Commencement of Property Survey at Kalai-II HEP

Memorandum Signed with Representatives of Project Affected Families (PAFs) on Behalf of THDC India Limited by HoP, APP Unit (09 June, 2026).

"Every major infrastructure project reaches defining moments that shape its future. For the 1200 MW Kalai-II Hydro Electric Project (HEP), one such milestone was achieved on 30 June, 2026, when the survey team of the State Authorities along with THDC India Limited, successfully measured the first residential house at Zero Point near Samdul Village, marking the formal commencement of the Property Survey in the project's notified submergence area."

The commencement of the Property Survey was made possible through sustained engagement and mutual trust among THDC India Limited (THDCIL), the District Administration, community representatives and the Project Affected Families (PAFs). Following a series of meetings, discussions and deliberations, including the meeting chaired by the Deputy Commissioner, Anjaw on 09 June, 2026, a broad consensus was reached on several developmental, livelihood and rehabilitation-related initiatives, paving the way for the successful resumption of the Property Survey. These initiatives were proactively pursued under the leadership of THDC management and the guidance of Head of Project, Kalai-II, with a focused approach towards expediting project implementation while maintaining stakeholder confidence and ensuring timely execution of the Project. The agreed initiatives include establishment of an In-House Vocational Training and Skill Development Centre at Hawai to enhance the employability of local youth, preference to eligible local contractors and Project Affected Families in suitable CSR/LADP works, upgradation of the Community Health Centre (CHC), Hawai, promotion of locally designed Mishmi traditional houses under the Rehabilitation & Resettlement Plan, promotion of tourism and adventure activities, establishment of check posts, implementation of biodiversity conservation measures, and rehabilitation and livelihood restoration in accordance with the provisions of the RFCTLARR Act, 2013.

The first property measurement on 30 June 2026 symbolized more than the beginning of a technical exercise; it marked the start of a transparent and participatory process towards fair Rehabilitation and Resettlement (R&R). The survey was led by Sh. T. K. Kotiyal, Deputy General Manager (Civil), and Sh. Akash Bhatt, Field Engineer (Civil), in the presence of Sh. Vikhelum Bellai, Assistant Commissioner, District Administration officials, representatives of the PAFs and members of the local community.

This milestone reflects THDCIL's commitment to implementing the Kalai-II Hydro Electric Project with transparency, stakeholder participation and inclusive regional development while maintaining the project implementation schedule through close coordination with all stakeholders.

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति ने कोटेश्वर कार्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति के द्वारा 25 जून, 2026 को नैनीताल में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के कोटेश्वर यूनिट कार्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उप समिति के श्री उज्जवल रमण सिंह, संयोजक एवं माननीय संसद सदस्य (लोक सभा), श्री अनिल सुखदेवराव बोंडे माननीय संसद सदस्य (राज्य सभा), श्री हरिभाई पटेल, माननीय संसद सदस्य (लोक सभा), श्री जियाउर्रहमान माननीय संसद सदस्य (लोक सभा), ने कोटेश्वर कार्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान समिति के माननीय सदस्यों ने टीएचडीसी में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रशंसा करते हुए अनेक बहुमूल्य सुझाव दिए। इस अवसर पर समिति की सचिव, डॉ निधि पाण्डेय एवं समिति सचिवालय के अधिकारी उपस्थित थे। विद्युत मंत्रालय से श्री ओ. पी. मीना, मुख्य अभियंता (सीईए, विद्युत मंत्रालय), श्री शमशेर सिंह, उप निदेशक(राजभाषा), तथा टीएचडीसी की ओर से श्री आर. आर. सेमवाल, मुख्य महाप्रबंधक (टीसी), डॉ अमर नाथ त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा व के.सं.), श्री मोहन सिंह, उप महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.), श्री गिरीश उनियाल, प्रबंधक (मा.सं.), श्री पंकज कुमार शर्मा, उप प्रबंधक (राजभाषा), सुश्री वाणी शुक्ला, सहा. प्रबंधक(रा.भा.) एवं श्रीमती नीरज सिंह, सहा. अधिकारी(रा.भा.) उपस्थित रहे।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा विक्रेता विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश स्थित रसमंजरी हॉल में 'प्रगति एवं सतत विकास हेतु सहभागिता' विषय पर विक्रेता विकास कार्यक्रम (Vendor Development Programme -VDP) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस अवसर पर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री सिपन कुमार गर्ग ने देश की आर्थिक वृद्धि, रोजगार सृजन तथा औद्योगिक विकास में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला । उन्होंने समावेशी विकास, नवाचार तथा सतत विकास को प्रोत्साहित करने हेतु केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) एवं एमएसएमई के मध्य साझेदारी को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि टीएचडीसी विक्रेताओं एवं आपूर्तिकर्ताओं के लिए एक पारदर्शी एवं सुगम खरीद तंत्र उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में श्री एल. पी. जोशी, मुख्य तकनीकी अधिकारी (सीटीओ), श्री नीरज वर्मा, कार्यपालक निदेशक (सी एंड एम एम तथा सी पी), डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन-प्रशासन एवं केंद्रीय संचार), श्री अजय गर्ग, मुख्य महाप्रबंधक (वित्त), डॉ. सुनील के. नेवार, निदेशक, एमएसएमई के अलावा टीएचडीसी के वरिष्ठ अधिकारीगण, एमएसएमई विकास संस्थान, देहरादून के प्रतिनिधिगण तथा अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। श्री मुकुल गर्ग, अपर महाप्रबंधक (प्रापण) द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया तथा समापन के अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

कार्यक्रम में एमएसएमई उद्यमियों, विनिर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं, सेवा प्रदाताओं, विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं अन्य हितधारकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस पहल का उद्देश्य टीएचडीसी तथा अन्य केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसई) में उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों, विक्रेता पंजीकरण प्रक्रियाओं, ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली, खरीद प्रक्रियाओं तथा गुणवत्ता संबंधी आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

टीएचडीसी के कारपोरेट कार्यालय सहित सभी परियोजना एवं यूनिट कार्यालयों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने 21 जून, 2026 को कारपोरेट कार्यालय सहित अपनी सभी परियोजनाओं एवं यूनिट कार्यालयों में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। निगम के सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में बढ़-चढ़कर सहभागिता की तथा योगाभ्यास के माध्यम से स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने कर्मचारियों के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक कल्याण को प्रोत्साहित करने तथा स्वास्थ्य एवं वेलनेस की संस्कृति को सुदृढ़ बनाने के प्रति टीएचडीसीआईएल के समर्पण को रेखांकित किया।

इस अवसर पर श्री सिपन कुमार गर्ग, प्रबंध निदेशक, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने इस साल के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम, "स्वस्थ आयु के लिए योग" (Yoga for Healthy Ageing) के महत्व पर ज़ोर दिया। श्री गर्ग ने कहा कि योग जीवन जीने का एक ऐसा समग्र तरीका है जो शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और आंतरिक सामंजस्य को बढ़ावा देता है। उन्होंने कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को एक स्वस्थ, खुशहाल और संतोषजनक जीवन जीने के लिए योग को नियमित रूप से अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की शुरुआत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के लाइव प्रसारण से हुई, जिसके बाद विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा कॉमन योग प्रोटोकॉल सत्र आयोजित किया गया।

ऋषिकेश स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय में श्री एल. पी. जोशी, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए योग को मानवता के लिए भारत का अमूल्य उपहार बताया, जो भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक वैश्विक आंदोलन के रूप में उभरा है।

इस आयोजन में लचीलापन, एकाग्रता और बेहतर सेहत के लिए कई तरह के आसन, प्राणायाम और ध्यान की तकनीकें शामिल थीं। कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने योग सत्र में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया, जो एक स्वस्थ जीवनशैली के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस अवसर पर डॉ. अमर नाथ त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व केन्द्रीय संचार), श्री अजय गोयल, मुख्य महाप्रबंधक (एमपीएस, समन्वय कार्यालय देहरादून) और निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों ने कर्मचारियों की सेहत और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

ऋषिकेश

खुर्जा

पीपलकोटी

टिहरी

कौशांबी

टीएचडीसीआईएल ने अपने सभी परियोजना एवं इकाई कार्यालयों में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का उत्साहपूर्वक आयोजन किया

देहरादून

कोटेश्वर

पाटन

अमेलिया

लखनऊ

ढुकवां

THDCIL Conducts Eye Care Awareness Program and Free Eye Screening Camp

In line with its commitment towards employee welfare and preventive healthcare, THDC India Limited organized an Eye Care Awareness Talk and Free Eye Check-up Camp on 08 June 2026 at Rishikesh in association with Rahi Netra Dham, Dehradun.

Sh. Sipan Kumar Garg, Managing Director, THDCIL, highlighting the importance of employee health and well-being, added that THDC India Limited continues to foster a healthy and productive work environment, reinforcing its commitment to the holistic wellness of its workforce. Sh. Garg added that the initiative served as an effective platform for promoting awareness about preventive healthcare practices and the importance of timely diagnosis and treatment.

As a part of program, an awareness session on “Eye Care Awareness, Preventive Practices and Addressing Common Eye-Related Concerns” was also organized at the Officers' Club Rishikesh. During his inaugural address, Sh. L. P. Joshi, CTO, THDCIL emphasized that awareness and early diagnosis are key to preventing vision-related disorders and commended the organizers for conducting the eye screening camp and awareness session.

Shri Neeraj Verma, Executive Director (C&MM and CP), Dr. Amar Nath Tripathy, Chief General Manager (HR&A and CC), Shri U. D. Dangwal, General Manager (Civil-Design), Dr. Vibha Choudhary, CMO, THDCIL along with other senior officers of THDCIL were also present during the occasion. The session was conducted by renowned eye specialists Dr. Chintan Desai and Dr. Mohit Garg from Rahi Netra Dham, Dehradun, who shared valuable insights on eye health, preventive care, healthy lifestyle practices and the management of common eye-related concerns.

The camp was successfully conducted and benefited employees and their family members. A total of 77 individuals underwent eye examinations and received expert consultation and guidance regarding eye care and treatment.

THDCIL Reinforces Commitment to a Greener Future on World Environment Day 2026

Rishikesh

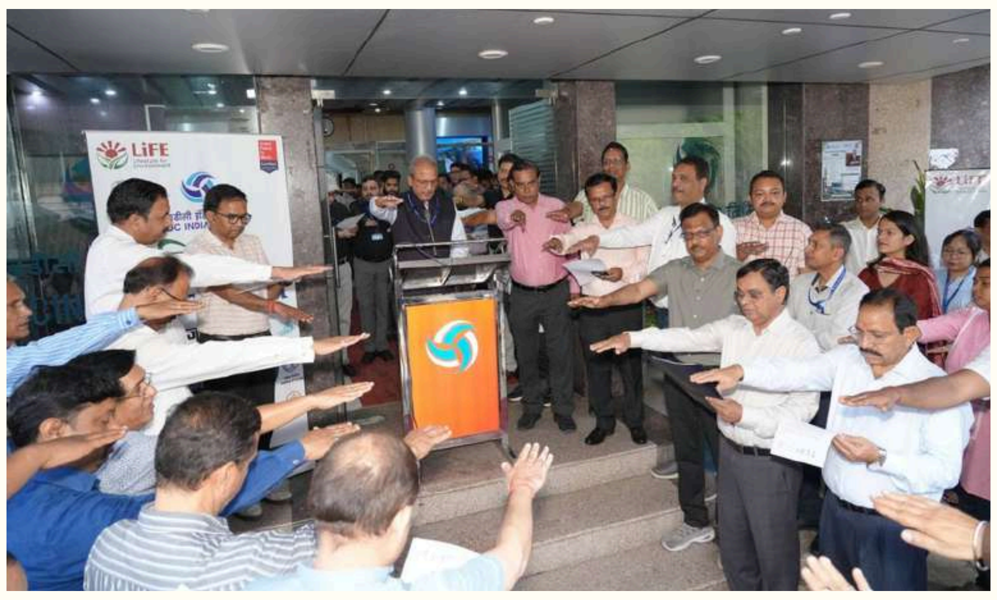

THDC India Limited celebrated World Environment Day 2026 with great enthusiasm and commitment across its Corporate Office in Rishikesh, as well as at all project sites and regional offices. On this occasion, Sh. Sipan Kumar Garg, MD, THDCIL, stated that the theme "Inspired by Nature. For Climate. For Our Future." serves as a powerful reminder that nature holds the solutions to many of the challenges posed by climate change. Sh. Garg emphasized that THDCIL remains steadfast in its commitment to sustainable development and clean energy generation, contributing to India's climate goals while strengthening the nation's energy security. He further added that THDCIL continues to integrate environmentally responsible practices across all its operations and projects, reaffirming its commitment to building a greener, more resilient and sustainable future for generations to come.

At THDCIL Corporate Office, Sh. Neeraj Verma, Executive Director (C&MM and CP) THDCIL, administered the World Environment Day pledge, wherein employees reaffirmed their commitment towards environmental conservation, climate responsibility and sustainable living. Dr. A. N. Tripathy, CGM (HR-Admin, CC), Sh. Ajay Garg, CGM (Finance) and Sh. H. K. Jindal, GM (S&E) along with other senior officers of THDCIL were also present during the event. The pledge ceremony was followed by a plantation drive at the Corporate Office, Rishikesh, and simultaneously across all THDCIL projects, units and regional offices.

Pipalkoti

Kaushambi

Khurja

Dehradun

25 दिवसीय सशक्तीकरण कार्यक्रम के साथ टीएचडीसीआईएल, खुर्जा में मिशन शक्ति-2026 का सफल समापन

सामुदायिक विकास एवं महिला सशक्तीकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करते हुए, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने सेवा-टीएचडीसी के माध्यम से अपनी प्रमुख सीएसआर पहल ''मिशन शक्ति – 2026'' के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में स्थित खुर्जा सुपर थर्मल पावर परियोजना (केएसटीपीपी) में 30 वंचित छात्राओं के लिए 25 दिवसीय गैर-आवासीय सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका समापन 14 जून, 2026 को सफलतापूर्वक किया गया।

21 मई से 14 जून, 2026 तक आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागी बालिकाओं के समग्र विकास को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के दौरान व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, आत्मरक्षा, योग, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता, शारीरिक शिक्षा, कला एवं शिल्प तथा आधारभूत शैक्षणिक विषयों पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त, बालिकाओं को अध्ययन सामग्री एवं शिक्षण किट भी वितरित की गई। समापन समारोह के अवसर पर छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, विज्ञान मॉडलों तथा कला एवं शिल्प प्रदर्शनी के माध्यम से अपने अर्जित ज्ञान एवं कौशल का प्रदर्शन किया। निरंतर सीखने एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें प्रमाण-पत्र, ट्रॉफियां एवं पुस्तकें प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं), टीएचडीसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारियों, मंजरी लेडीज़ क्लब की सदस्याओं, अभिभावकों तथा स्थानीय समुदाय के गणमान्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

टिहरी परियोजना में 'मिशन शक्ति–2026' कार्यक्रम का आयोजन

टिहरी परियोजना में आयोजित मिशन शक्ति–2026' कार्यक्रम का शुभारंभ श्री आर.आर. सेमवाल, मुख्य महाप्रबंधक (टिहरी कॉम्प्लेक्स), श्री हर्ष कुमार जिंदल, महाप्रबंधक (सामाजिक एवं पर्यावरण), ऋषिकेश, तरंगिनी महिला ऑफिसर्स क्लब की अध्यक्षा, श्रीमती निधि सेमवाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। टिहरी में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपब्लिक फाउंडेशन सोसायटी, देहरादून के सहयोग से संचालित किया गया। फाउंडेशन के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय क्षेत्र के विद्यालयों की 28 निर्धन छात्राओं को नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास, डिजिटल जागरूकता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, योग, आत्मरक्षा तथा सामाजिक जागरूकता जैसे विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रतिभागी छात्राओं को प्रशिक्षण अवधि एवं दैनिक उपयोग हेतु आवश्यक सामग्री से युक्त विशेष किट भी वितरित की गई | इन किटों में ट्रॉली बैग, स्कूल बैग, ट्रैक सूट, स्पोर्ट्स वियर, स्टेशनरी सामग्री, योगा सामग्री, पानी की बोतलें तथा अन्य आवश्यक उपयोगी वस्तुएँ शामिल थी।

इस 25 दिवसीय 'मिशन शक्ति–2026' कार्यक्रम के समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि टिहरी विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक श्री किशोर उपाध्याय उपस्थित रहे | कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा 25 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान तैयार की गई हस्तनिर्मित एवं रचनात्मक सामग्री की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं आत्मरक्षा (सेल्फ डिफेंस) से संबंधित गतिविधियों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया | मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर छात्राओं की रचनात्मकता की सराहना की तथा सांस्कृतिक एवं आत्मरक्षा प्रदर्शनों की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। समापन समारोह में सभी छात्राओं को प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। कार्यक्रम ने छात्राओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जीवन कौशल का प्रभावी विकास करते हुए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की महिला सशक्तिकरण एवं सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से प्रतिबिंबित किया। इस अवसर पर श्री एस.के.साहू, महाप्रबंधक (पी.एस.पी.) श्री विपिन सकलानी, अपर महाप्रबंधक (नियोजन), श्री ए.पी. बाजपेई, अपर महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा), श्री संजय पंवार, अपर महाप्रबंधक (यांत्रिक), तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की उपाध्यक्षा श्रीमती सस्मिता साहू एवं अन्य सदस्यायें, श्री मोहन सिंह श्रीस्वाल, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) , श्री सुशील उनियाल, उप महाप्रबंधक (आई.टी.), श्री नरेंद्र सिंह मखलोगा, वरिष्ठ प्रबंधक (सीएसआर), श्री मनबीर सिंह नेगी, प्रबंधक (जनसम्पर्क), श्री दीपक उनियाल, प्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), टिहरी बांध परियोजना इंटर कॉलेज, सरस्वती विद्या मन्दिर बागी, न्यू टिहरी इंटरनेशनल स्कूल पैन्यूला के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्राएं एवं टीएचडीसी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे |

मनःप्रशमनोपायो योग इत्यभिधीयते।
The recourse to pacify the mind is called yoga.

विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

पीपलकोटी

ऋषिकेश

विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में टीएचडीसी की विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में 12 जून, 2026 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर का शुभारंभ श्री अजय वर्मा, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) द्वारा किया गया। रक्तदान शिविर में टीएचडीसीआईएल, सीआईएसएफ, एचसीसी तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कुल 55 यूनिट रक्तदान किया। शिविर के सफल संचालन में उत्तराखण्ड ब्लड डोनेशन सेंटर की टीम ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।
इसके साथ ही 19 जून, 2026 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश के निरामय स्वास्थ्य केंद्र में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), ऋषिकेश के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व के. सं.) द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. विभा चौधरी, मुख्य चिकित्साधिकारी व अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर में कुल 101 लोगों ने प्रतिभाग किया जिसमें से 81 लोगों ने रक्तदान किया।

टिहरी

टिहरी परियोजना में आई.एम.ए. ब्लड बैंक, देहरादून के सहयोग से 02 जून, 2026 को चिकित्सालय, भागीरथीपुरम में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक (टिहरी कॉम्प्लेक्स), श्री आर.आर. सेमवाल के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति उल्लेखनीय उत्साह एवं जनसेवा की भावना देखने को मिली। रक्तदान शिविर में कुल 118 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया, जिनमें 112 पुरुष एवं 6 महिला रक्तदाता शामिल रहे।

खुर्जा परियोजना में हेल्थ कैम्प का सफल आयोजन

खुर्जा परियोजना में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के स्वास्थ्य कल्याण हेतु 17 जून, 2026 को एक हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। यह शिविर बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली के सहयोग से परियोजना परिसर स्थित सरस्वती अतिथि गृह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री बिनोद कुमार साहू, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। श्री साहू ने बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. पार्थ (एम.डी. मेडिसिन), डॉ. करण (एम.एस. ऑर्थोपेडिक्स), एवं अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों का प्लांट भेंट कर स्वागत किया।
इस हेल्थ कैम्प का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा व्यक्तिगत परामर्श दिया गया एवं बीएमडी टेस्ट, पीएफटी टेस्ट, रैंडम ब्लड शुगर व रक्त चाप जांच समेत कई आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण नि:शुल्क प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्री बिनोद कुमार साहू, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) ने अपने संबोधन में कहा कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। स्वस्थ व्यक्ति ही कार्यस्थल पर अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे सकता है। इस सफल आयोजन में मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

HRD Corner

Awareness Program on Labour Codes by Dy. CLC (Central), Dehradun

An awareness program on 04 new Labour Codes was conducted by Ms. Shubhra Goel, Dy. Chief Labour Commissioner(Central), Dehradun on 19.05.2026 for THDCIL Executives and Contractors at Takshshila-Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Aam Bagh, Pashulok, Rishikesh. The program was conducted in hybrid mode. Cross-functional representatives from the HR&A, Finance, Cost Engineering, and Planning Departments participated in the program. Representatives of various manpower supply contractors also attended the awareness program.

During the session, Ms. Goel explained the key provisions of the four Labour Codes from the perspective of both the Principal Employer and the Contractors, with emphasis on the welfare of contract labour. She also highlighted the responsibilities of Principal Employers and Contractors in ensuring compliance with the Labour Codes and safeguarding the rights of workers. The Codes govern fundamental workplace issues such as minimum wages, working conditions, industrial relations, dispute resolution, and social security benefits.

The Government of India has consolidated 29 existing Central Labour Laws into four comprehensive Labour Codes to simplify compliance, promote ease of doing business, and strengthen legal protection for workers.

The four Labour Codes are as follows:

1. The Code on Wages, 2019:

Regulates the timely payment of wages and establishes minimum wage provisions across industries, ensuring wage protection for all categories of workers.

2. The Industrial Relations Code, 2020:

Governs employer-employee relations, trade unions, dispute resolution mechanisms, and provisions relating to strikes, layoffs, and retrenchment.

3. The Occupational Safety, Health and Working Conditions (OSH) Code, 2020:

Prescribes standards for workplace safety, health, welfare measures, and working conditions, including working hours and occupational safety requirements.

4. The Code on Social Security, 2020:

Expands social security coverage, including provident fund, gratuity, insurance, and other welfare measures, to organized, unorganized, and gig workers.

Benefits of the Awareness Program:

The awareness program proved beneficial in enhancing participants' understanding of the new Labour Codes and their practical implications. It enabled the executives and contractors to better understand their legal obligations, compliance requirements, and responsibilities towards contract labour and employees. The session also provided clarity on wage regulations, workplace safety, grievance redressal mechanisms, social security provisions, and industrial relations. Such awareness programs play an important role in ensuring better labour law compliance, minimizing legal disputes, improving workplace welfare, and promoting a transparent and harmonious employer–employee relationship.

Awareness Training Program on "Anti Bribery Management System:ISO 37001"

With the Government of India's continuous emphasis on transparency, integrity, accountability and a corruption-free work culture across Public Sector Enterprises and as part of THDCIL's continuous endeavour to strengthen ethical governance and reinforce a culture of integrity, an awareness training program on Anti-Bribery Management System (ABMS) was organised on 01st June, 2026 at THDCIL's Takshshila- Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, in hybrid mode.

The main objectives of this training program were to create awareness among employees regarding anti-bribery principles, ethical business conduct, transparency, integrity, and compliance requirements under ISO 37001.

मन:प्रशमनोपायो योग इत्यभिधीयते।
The recourse to pacify the mind is called yoga.

The program aimed to strengthen participants' understanding of preventive measures against bribery and corruption, establish effective internal controls, and promote a culture of accountability and good governance within the organization.

The program was attended by executives (E0 to E9 level), including FTBs from various Projects, Units, and Corporate Office departments through both physical and virtual modes. The participants included officers dealing with procurement, contracts, finance, HR, administration, project management, vigilance-related functions, and other key operational areas where awareness of anti-bribery practices is essential.

The program was facilitated by Sh. Rajeev Gupta, an experienced trainer and subject matter expert from M/s Allied Boston Pvt. Ltd., Noida. The faculty effectively explained the concepts of ISO 37001 through practical examples, case studies, and interactive discussions. Participants appreciated the faculty's command over the subject and clarity of presentation.

A 02-Day Training program on "Safety Awareness & Emergency Preparedness"

Safety awareness and emergency preparedness are essential elements of an effective and responsible workplace environment, particularly in industrial and operational establishments where employees are exposed to various occupational and operational risks. With a view to fostering a proactive safety culture and enhancing employees' preparedness to respond effectively to workplace emergencies, an awareness training program on "Safety Awareness & Emergency Preparedness" was organised from 10th to 11th June, 2026 at THDCIL's Takshshila- Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh for workmen & supervisors posted at Rishikesh Unit.

The program aimed to help participants see safety as a way of life and to reinforce that everyone has a responsibility to create and maintain a safe environment for themselves and others. It also aimed to enhance safety awareness among employees and develop their preparedness to respond to emergencies effectively.

The program was attended by Workmen and Supervisors from different departments viz. HR, Finance, MPS, PR, Vigilance, Design, Cost Engg, OMS, etc. at Rishikesh unit. The diverse participation enabled the sharing of experiences and practical challenges related to safety across different work areas.

The program was facilitated by Sh. Gurpreet Singh and Sh. Aryan from M/s Safety Circle Pvt. Ltd., Chandigarh, both experienced professionals in the field of occupational health, safety, and emergency management. The faculty members effectively delivered the sessions on Fire Safety, Electrical Safety, Chemical Hazards, Road Safety, Emergency Response, Safe Work Practices, and Accident Prevention, through a blend of theoretical concepts, practical illustrations, case studies, and group interactions.

The program reinforced THDCIL's commitment & strategic objectives towards maintaining a safe, healthy and accident-free work environment through continuous learning and a strong culture of safety.

A 03-Day Outbound program for SAIL Employees in collaboration with SHRM

As part of THDCIL's strategic revenue generation initiatives and its continued endeavour to establish the HRD Centre, Rishikesh as a premier learning destination for technical professionals across industries, a 03-Day Outbound Technical Training Program was successfully organized from 11th to 13th June, 2026 at THDCIL's Takshshila- Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, for employees of Steel Authority of India Limited (SAIL), in collaboration with the Society for Human Resource Management (SHRM).

The program witnessed the enthusiastic participation of around 31 executives from various SAIL plants, projects and units, providing them with a unique opportunity to gain insights into the hydro power sector and interact with experienced professionals from THDCIL.

The program adopted an experiential learning methodology by integrating intensive classroom sessions with an extensive technical visit to the Tehri Dam and Hydro Power Station, thereby enabling participants to bridge theoretical concepts with practical exposure. The classroom session was delivered by THDCIL's experienced in-house faculty members, Sh. Pramod Kumar, Deputy General Manager (MPS) & Smt. Anamika Budlakoti, Senior Manager (Social & Environment).

Adding a unique dimension to the program, participants also undertook a one-day exclusive Jungle Safari at Rajaji National Park, Uttarakhand, offering an opportunity to experience the rich biodiversity and natural heritage of the region.

Such collaborative programs with leading Public Sector Enterprises through reputed professional bodies like SHRM strengthen institutional partnerships while showcasing THDCIL's technical expertise, experienced faculty and world-class training infrastructure. The success of this program reaffirms the HRD Centre's commitment to becoming one of India's most preferred training hubs for technical, managerial and leadership development, fostering knowledge sharing, professional excellence and cross-sectoral collaboration across organizations from diverse sectors.

खुर्जा कार्यालय में हिंदी कार्यशाला का किया गया आयोजन

खुर्जा कार्यालय में 23 जून, 2026 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री बिनोद कुमार साहू, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) ने आमंत्रित मुख्य वक्ता श्री विजय कुमार शर्मा, पूर्व सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। उक्त हिंदी कार्यशाला का विषय राजभाषा में सूचना प्रौद्योगिकी एवं तिमाही हिंदी प्रगति रिपोर्ट की जानकारी पर आधारित था। कार्यशाला में रुचि लेते हुए 28 अधिकारियों/कर्मचारियों ने प्रतिभाग कर स्वयं को लाभान्वित किया। श्री यशवंत सिंह नेगी, कनिष्ठ हिंदी अधिकारी ने कार्यशाला का संचालन किया और उपस्थित कार्मिकों को राजभाषा से संबंधित सूचना प्रौद्योगिकी टूल्स और सॉफ्टवेयर की उपयोगिता बताई।

सभी प्रतिभागियों ने उक्त हिंदी कार्यशाला को उपयोगी व महत्वपूर्ण बताया और कार्यशाला की विषय वस्तु-राजभाषा में सूचना प्रौद्योगिकी और तिमाही हिंदी प्रगति रिपोर्ट से संबंधित जानकारी की सराहना की। हिंदी कार्यशाला को पूर्णता प्रदान करते हुए श्री दिलीप कुमार द्विवेदी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन/राजभाषा अधिकारी) ने आमंत्रित मुख्य वक्ता, उपस्थित विभागाध्यक्ष एवं सभी प्रतिभागी कार्मिकों का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापन किया।

THDCIL Celebrates Sportsmanship and Wellness through Summer Sports Event 2026

Promoting a healthy, energetic, and inclusive workplace culture, THDCIL successfully organized the Summer Sports Event–2026 from 12th –19th June, 2026 for employees and their families.

The Summer Sports Event 2026 commenced with a homage to the late Sh. Jaspal Rana , one of India's renowned shooters and inspirational sport's icon. The event was thereafter inaugurated by Dr. A. N. Tripathy, CGM (HR&A and CC). In his inaugural address, Dr Tripathy emphasized the importance of sports in promoting physical fitness, mental well-being, teamwork, discipline and a balanced lifestyle.

With over 90 participants, the week-long event featured exciting competitions in Chess, Carrom, Table Tennis, and Badminton, bringing together employees, spouses, and wards to showcase their talent, teamwork and sporting spirit. The event concluded on 19 June, 2026 leaving behind cherished memories, stronger bonds, and renewed enthusiasm for healthy living.

लेडीज़ क्लब

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा मासिक बैठक एवं विदाई समारोह का आयोजन

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा 26 जून, 2026 को जून माह की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर प्रिय सखी श्रीमती कल्पना चौहान जी के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत तेजस्विनी गीत से की गई। इस अवसर पर क्लब की मुख्य संरक्षिका, श्रीमती पूजा गर्ग ने श्रीमती कल्पना चौहान को सैशे पहना कर, उनके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ एवं बधाई दीं। स्मृति-चिह्न के रूप में उन्हें एक पौधा एवं उपहार भेंट किया गया।

क्लब की कई सदस्यों ने श्रीमती चौहान के साथ बिताए गए अपने खूबसूरत और यादगार पलों को साझा किया, जिसने पूरे वातावरण को भावुक बना दिया। इसके बाद मुख्य संरक्षिका द्वारा लेडीज़ क्लब के नव-निर्मित कक्ष का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में सभी सदस्याओं ने तंबोला एवं अन्य मनोरंजक खेलों का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर प्रत्येक माह की तरह इस बार भी जून माह में जन्मी सदस्याओं का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्नेह, आत्मीयता और खुशियों से भरपूर यह कार्यक्रम सभी के लिए यादगार बन गया।

तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की सदस्याओं द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

05 जून, 2026 को टिहरी परियोजना की तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की सदस्याओं द्वारा टीएचडीसी के टॉप टेरेस अतिथि गृह में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया | सर्वप्रथम तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की अध्यक्षा, श्रीमती निधि सेमवाल द्वारा वृक्ष लगाकर तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की सदस्याओं को सम्बोधित किया गया | उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित रखने का माध्यम ही नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित भविष्य की अमूल्य धरोहर भी हैं। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की सदस्याओं द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया | वृक्षारोपण कार्यक्रम में तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की उपाध्यक्षा श्रीमती सस्मिता साहू, कोषाध्यक्षा, श्रीमती सुप्रिया लाखरा, श्रीमती निधि बाजपेई, श्रीमती प्रतिभा चौहान, श्रीमती अंशिका राणा, श्रीमती आकांक्षा, श्रीमती सीमा गुप्ता आदि उपस्थित रहीं |

लेडीज़ क्लब

तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब द्वारा 'मिशन शक्ति–2026' के अंतर्गत प्रेरणादायी सत्र एवं विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत पहल 'मिशन शक्ति–2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत टिहरी परियोजना के तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की अध्यक्षा, श्रीमती निधि सेमवाल के मार्गदर्शन में क्लब की सदस्याओं द्वारा प्रतिभागी छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु विशेष सत्र एवं विभिन्न प्रेरणादायी गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की सदस्याओं द्वारा छात्राओं के साथ संवादात्मक एवं प्रेरक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें सोशल मीडिया एवं इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग तथा उससे जुड़ी प्रक्रियाओं एवं सावधानियों पर विशेष रूप से मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस सत्र का उद्देश्य छात्राओं को डिजिटल माध्यमों के प्रति जागरूक बनाना, उनके सुरक्षित उपयोग की समझ विकसित करना तथा उन्हें जिम्मेदार एवं सशक्त नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था।

सदस्याओं द्वारा छात्राओं के लिए विभिन्न प्रकार के समूह खेल, रचनात्मक गतिविधियाँ, टीम बिल्डिंग एक्टिविटीज तथा मनोरंजक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को सैनिटरी एवं स्टेशनरी किट्स भी वितरित की गईं, जिससे उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं शैक्षणिक आवश्यकताओं को प्रोत्साहन मिल सके। इस अवसर पर तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की उपाध्यक्षा श्रीमती सस्मिता साहू, कोषाध्यक्षा श्रीमती सुप्रिया लाखरा, श्रीमती निधि बाजपेई, श्रीमती अमृता पंवार, श्रीमती अंशिका राणा, श्रीमती आकांक्षा, श्रीमती अंकिता द्विवेदी, श्रीमती सीमा गुप्ता आदि की उपस्थित रही |

केएसटीपीपी में औद्योगिक सुरक्षा एवं मानव संसाधन विकास पर विशेष बल

खुर्जा सुपर ताप विद्युत परियोजना (केएसटीपीपी) में 10 एवं 11 जून, 2026 को औद्योगिक सुरक्षा, मानव संसाधन विकास, कर्मचारी कल्याण तथा प्रशासनिक गतिविधियों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा. व के. सं.) डॉ. ए.एन. त्रिपाठी तथा अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री दुर्गा प्रसाद पात्रो ने परियोजना की मानव संसाधन संबंधी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

समीक्षा के दौरान मुख्य संयंत्र क्षेत्र, कार्यालयों एवं अन्य प्रमुख स्थलों का निरीक्षण किया गया तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ संवाद स्थापित कर कार्य परिस्थितियों, उपलब्ध सुविधाओं एवं सुझावों पर चर्चा की गई। बैठक में औद्योगिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, श्रम कानूनों के प्रभावी अनुपालन, कर्मचारी कल्याण, प्रशिक्षण तथा मानव संसाधन विकास को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया गया।

केएसटीपीपी के कार्यालय परिसर में मीडिया कवरेज कॉर्नर का शुभारंभ

खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना के नवीन कार्यालय परिसर में परियोजना की उपलब्धियों एवं सूचना प्रसार को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मीडिया कवरेज कॉर्नर का शुभारंभ परियोजना प्रमुख श्री बी. के. साहू द्वारा किया गया। इस कॉर्नर में केएसटीपीपी की उपलब्धियों, प्रमुख कार्यक्रमों एवं विभिन्न गतिविधियों से संबंधित समाचारों के साथ-साथ विद्युत क्षेत्र, सार्वजनिक उपक्रमों, सरकारी नीतियों एवं ऊर्जा क्षेत्र के समसामयिक विषयों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदर्शित की जाएँगी। यह पहल कर्मचारियों एवं आगंतुकों को परियोजना की प्रगति तथा ऊर्जा क्षेत्र की नवीनतम गतिविधियों से अवगत कराने हेतु एक प्रभावी मंच के रूप में कार्य करेगी। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे संगठन की उपलब्धियों के प्रभावी प्रदर्शन तथा ज्ञान एवं सूचना साझा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में श्री ईश्वर दत्त तिग्गा, अपर महाप्रबंधक, श्री दिलीप कुमार द्विवेदी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), श्री संजीव नौटियाल सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मन:प्रशमनोपायो योग इत्यभिधीयते।
The recourse to pacify the mind is called yoga.

Beyond the Desk

Introduction of Doubly Fed Induction Generators (DFIG) into the Hydropower Sector of India

Sh. Ashis Ranjan
Engineer (Mech.), MPS Dept.
Rishikesh

Brief introduction of How DFIG is Used in Wind Power

Basic Idea: A DFIG (Doubly Fed Induction Generator) is used in wind turbines to convert variable wind energy into electrical energy efficiently, while allowing variable speed operation.

In a DFIG-based wind turbine, the stator is directly connected to the grid, while the rotor is connected through power electronic converters, allowing control of rotor currents at slip frequency. This arrangement enables variable speed operation, which helps in extracting maximum energy from fluctuating wind speeds. The converter also allows independent control of active and reactive power, improving grid stability and voltage regulation. Due to its ability to achieve high efficiency with only a partially rated converter, DFIG has become a preferred choice in modern wind energy systems.

1. **Why PSPs are needed?**

Pumped Storage Plants (PSPs) were introduced to address the mismatch between electricity generation and demand, particularly the variation between peak and off-peak load conditions. During periods of low demand, excess electrical energy is used to pump water from a lower reservoir to an upper reservoir, effectively storing energy. During peak demand, this stored water is released to generate electricity, ensuring reliable power supply. PSPs also play a crucial role in enhancing grid stability, supporting frequency control, and facilitating the integration of renewable energy sources like solar and wind, which are intermittent in nature. Thus, PSPs act as large-scale energy storage systems, improving the overall efficiency and flexibility of the power system

2. **Why DFIG is needed in Hydro Power Sector (especially PSPs)?**

The use of DFIG (Doubly Fed Induction Generator) technology in the hydro power sector, particularly in advanced pumped storage plants (PSPs), is driven by the need for greater efficiency and operational flexibility. Unlike conventional synchronous generators that operate at fixed speed, DFIG enables variable speed operation, allowing turbines and pumps to run at their optimal efficiency under varying water head and load conditions.

3. **Basic Electrical Engineering Concepts before proceeding with DFIGs working:**

a. **Faraday's Law of EMF:**

The law states that an electromotive force (EMF) is induced in a conductor whenever the magnetic flux linked with it changes. If the conductor is closed, the induced EMF flows as current in the conductor.

b. **Lorentz Force:**

It is the force experienced by a charged particle or a current-carrying conductor when it is placed in a magnetic (and/or electric) field. This force is responsible for producing motion or torque in electrical machines like motors.

c. **Slip(s) & Slip Frequency (F_r):**

Slip(s) is defined as the per-unit difference between the synchronous speed and the mechanical speed of the rotor. $s = (N_s - N_r) / N_s$

N_s = Synchronous Speed i.e., speed of stator's rotating magnetic field, N_r = Actual mechanical speed of rotor

Slip Frequency (F_r) is the frequency of the rotor current, which arises due to the difference between rotor speed and synchronous speed (slip). It is given by the relation:

$F_r = s \times F_s$ Here, 's' is slip and 'F_s' is stator frequency.

4. **How DFIG works in Modern Age PSPs:**

In modern Pumped Storage Plants (PSPs), unlike conventional fixed-speed synchronous machines, the stator of the DFIG is directly connected to the grid, while the rotor is connected through a back-to-back power electronic converter consisting of a Rotor Side Converter (RSC), a Grid Side Converter (GSC), and a DC-link capacitor. During startup, the converter injects controlled currents into the rotor, allowing the machine to accelerate smoothly and operate either in generating mode or pumping mode. The converter continuously controls the rotor current magnitude, frequency, and phase angle so that the rotor magnetic field remains synchronized with the stator magnetic field even when the mechanical speed varies. This enables the PSP to operate efficiently under varying water head and load conditions. The DFIG also provides independent control of active and reactive power, allowing rapid response to grid frequency and voltage fluctuations. As a result, DFIG-based PSPs offer improved energy efficiency, enhanced renewable energy integration, better frequency regulation, and greater operational flexibility compared to conventional fixed-speed pumped storage systems.

In a Doubly Fed Induction Generator, the VSI (Voltage Source Inverter) is the heart of the power electronic converter system. It controls the rotor currents so that the hydraulic turbine can operate at variable speed while still supplying constant-frequency power to the grid.

Where VSI is Used in DFIG:

A DFIG normally has stator directly connected to grid and rotor connected through a back-to-back converter.

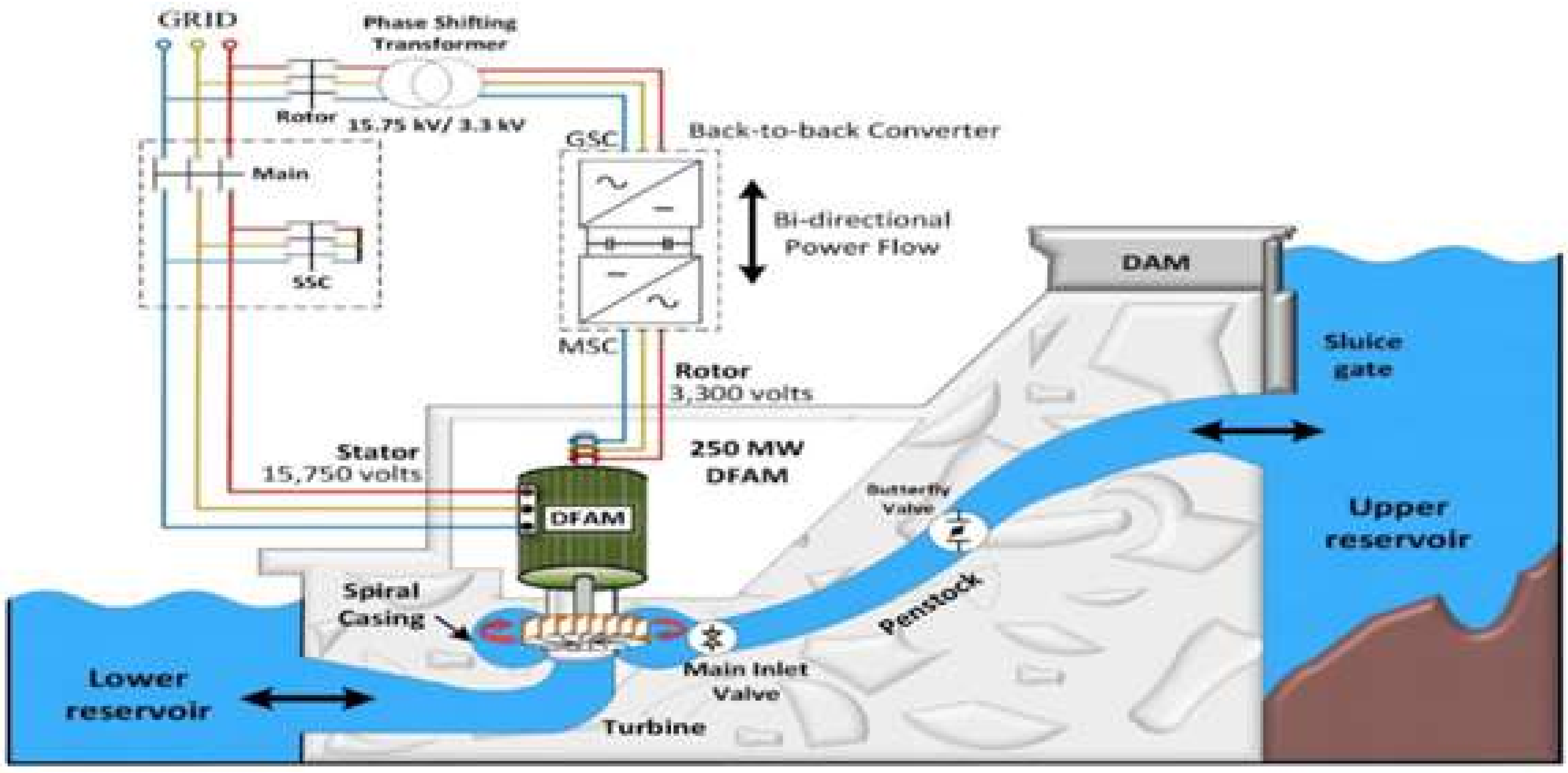

This converter consists of: Machine Side Converter (MSC), Grid Side Converter (GSC) & DC link capacitor between them.

Machine Side VSI (MSC):

The Machine Side Converter injects AC current into rotor winding and its functions are:

(i) Control Rotor Magnetic Field: The VSI generates rotor currents at slip frequency. This controls rotor flux, electromagnetic torque & generated power.

(ii) Maintain Constant Grid Frequency: Varying water head and load condition changes turbine speed continuously. But grid requires fixed frequency i.e., 50 Hz. The VSI adjusts rotor excitation frequency, so stator output remains synchronized with grid.

Grid Side VSI (GSC):

The Grid Side Converter mainly maintains constant DC-link voltage, transfers slip power to/from grid, improves harmonics and power quality.

DC-link capacitor:

It maintains stable DC voltage and stores temporary energy, it balances power between MSC and GSC, reduces harmonics and ripple and it supports bidirectional power flow and improves converter and system stability.

Main Purpose of VSI:

The VSI converts DC power into controlled AC power. It controls voltage magnitude, frequency, phase angle, direction of power flow. This allows independent control of active power, reactive power, rotor excitation.

Power Flow Through VSI (important):

a) Sub-synchronous operation; ($N_r < N_s$), When the rotor speed N_r is less than the synchronous speed N_s , the rotor magnetic field does not automatically rotate in synchronism with the stator magnetic field. In a DFIG-based wind turbine, proper electromagnetic coupling requires both magnetic fields to rotate at the same synchronous speed with respect to the stator reference frame.

The difference (N_s-N_r)is called the slip speed. To compensate for this difference, the Voltage Source Inverter (VSI), particularly the Machine Side Converter (MSC), injects rotor currents at the slip frequency into the rotor circuit. This injected rotor current produces a rotor magnetic field that rotates relative to the rotor at slip speed. As a result, the combined effect makes the rotor magnetic field rotate at synchronous speed N_s , thereby maintaining synchronization with the stator magnetic field. This synchronization enables proper electromagnetic induction and controlled power transfer between rotor and stator. Under normal generating operation of the DFIG, power is delivered from the stator directly to the grid, while the converter also handles slip power through the rotor circuit.

b) Synchronous operation; ($N_r = N_s$), When the rotor speed is equal to the synchronous speed, the slip becomes zero. Under this condition, the rotor magnetic field and stator magnetic field rotate at the same speed, ensuring proper magnetic coupling and electromagnetic induction.

Since the slip is zero, no slip power is exchanged through the rotor circuit. Therefore, ideally, no active power flows between the rotor and the grid through the converter. The stator delivers the generated power directly to the grid.

In this operating condition, the rotor-side converter (MSC) injects only the small excitation current required for control purposes and does not process significant active power. Thus, the DFIG operates similarly to a synchronous-speed machine, although it is still fundamentally an induction generator, not a true synchronous generator.

c) Super-synchronous operation; ($N_r > N_s$), When the rotor speed is greater than the synchronous speed , the DFIG operates in the super-synchronous mode. In this condition, the slip becomes negative. Since the rotor rotates faster than the synchronous speed, synchronization between the stator and rotor magnetic fields must still be maintained for proper electromagnetic induction.

To achieve this, the rotor-side converter (MSC) injects rotor currents at a frequency corresponding to the negative slip. This ensures that the rotor magnetic field remains synchronized with the stator rotating magnetic field. In super-synchronous operation, the phase of rotor power reverses compared to sub-synchronous operation. As a result, excess slip power from the rotor circuit is transferred through the converter back to the grid.
The power flow is: Rotor→Converter→Grid. Thus, during super-synchronous operation, electrical power is supplied to the grid from both: the stator directly, and the rotor through the back-to-back converter system. It is important to note that the converter does not physically "slow down" the rotor magnetic field. Instead, it controls the rotor current frequency and phase so that the resultant rotor magnetic field rotates at synchronous speed with respect to the stator field, thereby maintaining proper electromagnetic coupling and induction. This is one of the major advantages of incorporating DFIG technology in power generation with variable input.

- **Physical Significance of Variable Speed:**

This is a core concept in understanding a DFIG (Doubly Fed Induction Generator)—how the rotor magnetic field relates to the actual mechanical rotation of the rotor.
A. Key Relation: The rotor magnetic field speed with respect to stator must always equal synchronous speed. That means: $N_{field} = N_r + N_{slip}$, Where:

- N_{field} = rotor magnetic field speed seen from stator
- N_r = actual rotor mechanical speed
- N_{slip} = slip speed produced by injected rotor frequency. And this total always equals synchronous speed:

$N_{field} = N_s = N_r + N_{slip}$

B. Physical Meaning:

Imagine: synchronous speed = 1500 RPM, rotor actual speed = 1450 RPM and Difference is 50 RPM
So, converter injects rotor current producing a magnetic field rotating at 50 RPM relative to rotor. Therefore the rotor iron rotates at 1450 RPM, rotor magnetic field moves 50 RPM ahead inside rotor and total field speed = 1500 RPM. So, stator "sees" a perfect synchronous rotating field.

Summary:

DFIG provides independent control of active and reactive power, enhancing grid stability, voltage regulation, and frequency support. Its fast response capability makes it highly suitable for modern power systems where dynamic load balancing is essential.
Hence, DFIG-based PSP technology combines hydroelectric storage capability, power electronic control, variable-speed operation. It significantly enhances:

- operational flexibility,
- renewable integration,
- frequency control,
- and overall grid stability.

Therefore, DFIG is considered one of the key technologies for next-generation flexible pumped storage power plants.

References:

- Yu, X. et al., "Small-Disturbance Stability Analysis of Doubly Fed Variable-Speed Pumped Storage Units," Energies, 2025.
- Mercier, T. et al., "Operation ranges and dynamic capabilities of variable-speed pumped-storage hydropower," Journal of Physics: Conference Series, 2017.
- Zhao, G. et al., "Research on an Output Power Model of a Doubly-Fed Variable-Speed Pumped Storage Unit," Applied Sciences, 2019.
- Joseph, A. et al., "Reliability of Variable Speed Pumped-Storage Plant," Electronics, 2018.
- Chapman, S. J., Electric Machinery Fundamentals, McGraw Hill.
- Bimbhra, P. S., Electrical Machinery, Khanna Publishers.
- PC:https://www.mdpi.com/energies/energies-15-03138/article_deploy/html/images/energies-15-03138-g009.png

हिंदी पत्रकारिता की 200 वर्षों की यात्रा: "उदंत मार्तंड" से डिजिटल युग तक

डॉ. प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (के.सं.)
खुर्जा एसटीपीपी

हिंदी पत्रकारिता इस वर्ष दो सौ वर्षों की यात्रा को सफलतापूर्वक पूर्ण कर रही है। 19वीं शताब्दी में अपनी मामूली शुरुआत से लेकर आज प्रिंट, टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर अपनी गतिशील उपस्थिति तक, हिंदी पत्रकारिता ने जनमत बनाने, राष्ट्रीय चेतना जगाने और लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत में हिंदी पत्रकारिता का प्रारंभिक इतिहास 19वीं शताब्दी में 30 मई, 1826 को कलकत्ता से पंडित जुगल किशोर शुक्ल द्वारा 'उदंत मार्तंड' के प्रकाशन के साथ शुरू हुआ। यह पहला हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र था जिसका उद्देश्य उन हिंदी भाषी पाठकों की सेवा करना था जिनकी अपनी भाषा में समाचारों तक पहुंच नहीं थी। अपनी अग्रणी भूमिका के बावजूद, अखबार को वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और 1827 में यह बंद हो गया। इस ऐतिहासिक शुरुआत के कारण, भारत में हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके बाद, बनारस अखबार (1845), बुद्धि प्रकाश (1852) और समाचार सुधा वर्षण (1854) सहित कई शुरुआती हिंदी प्रकाशन सामने आए, जिन्होंने सामाजिक जागरूकता और शैक्षिक सुधार में योगदान दिया।

19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में हिंदी पत्रकारिता का क्रमिक विस्तार हुआ। सुधाकर और हिंदुस्तान जैसे समाचार पत्र बढ़ते पाठक वर्ग की जरूरतों को पूरा करने के लिए उभरे। इस काल में भारतेंदु हरिश्चंद्र जैसे साहित्यिक दिग्गजों का प्रभाव भी देखा गया, जिन्होंने न केवल एक लेखक के रूप में योगदान दिया, बल्कि पत्रकारिता को सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय जागरण के उपकरण के रूप में भी इस्तेमाल किया। कवि वचन सुधा, हरिश्चंद्र मैगजीन और बालबोधिनी (1874 में शुरू की गई महिलाओं की मासिक पत्रिका) जैसे अपने प्रकाशनों के माध्यम से उन्होंने सामाजिक असमानता, सांस्कृतिक पहचान और औपनिवेशिक शोषण जैसे मुद्दों को उठाया। अन्य उल्लेखनीय योगदानकर्ताओं में हिंदी प्रदीप (1877) के संपादक बालकृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र शामिल थे।

20वीं शताब्दी की शुरुआत हिंदी पत्रकारिता में एक परिवर्तनकारी चरण थी, जिसकी विशेषता साहित्यिक विकास और बढ़ती राष्ट्रीय चेतना थी। एक बड़ा मील का पत्थर 1900 में इलाहाबाद से 'सरस्वती' का शुभारंभ था, जिसका संपादन 1903 से 1920 तक महावीर प्रसाद द्विवेदी ने किया था। उनके नेतृत्व में, सरस्वती सामाजिक सुधार, साहित्य और राष्ट्रीय जागरण का एक शक्तिशाली मंच बन गई। मैथिलीशरण गुप्त, प्रेमचंद और महादेवी वर्मा जैसे लेखकों ने इस पत्रिका में योगदान दिया, जिससे आधुनिक हिंदी गद्य और पत्रकारिता को आकार मिला।

एक और महत्वपूर्ण विकास राष्ट्रवादी समाचार पत्रों का उदय था जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का सक्रिय समर्थन किया। 1878 का वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट, जिसे अक्सर "गैगिंग एक्ट" (मुंह बंद करने वाला कानून) कहा जाता था, विशेष रूप से भारतीय भाषाओं के इन समाचार पत्रों को चुप कराने के लिए बनाया गया था जो ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों के आलोचक थे। इस कारण संपादकों और पत्रकारों को अक्सर अपने काम के लिए सेंसरशिप, कारावास और वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। किंतु भारत के स्वतंत्रता सेनानियों ने पत्रकारिता के माध्यम से निर्भीकता के साथ ब्रिटिश सरकार की काली करतूतों को उजागर करने का काम जारी रखा।

इसी कालखंड में पंडित मदन मोहन मालवीय ने 1907 में इलाहाबाद से अभ्युदय एवं वर्ष 1936 में हिंदुस्तान अखबार की शुरुआत की। गणेश शंकर विद्यार्थी ने 1913 में कानपुर से प्रताप की नींव रखी और शिव प्रसाद गुप्त ने 1920 में वाराणसी से आज की शुरुआत की। माखनलाल चतुर्वेदी ने 'प्रभा' (1913) और 'कर्मवीर' (1920) जैसे पत्रों के संपादन के माध्यम से हिंदी पत्रकारिता को राष्ट्रीय जागरण और स्वाधीनता संग्राम का सशक्त हथियार बनाया। इन सभी राष्ट्रवादी समाचार पत्रों ने राजनीतिक जागरूकता को प्रोत्साहित किया और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनमत को लामबंद किया। उनकी निर्भीक लेखनी ने न केवल ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी, बल्कि पत्रकारों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार की जो नैतिक मूल्यों और राष्ट्रभक्ति के लिए समर्पित थी। 1947 में स्वतंत्रता के बाद, हिंदी पत्रकारिता ने विस्तार और संस्थागत विकास के चरण में प्रवेश किया। साक्षरता दर में सुधार और हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में प्रमुखता मिलने के साथ हिंदी समाचार पत्रों की मांग बढ़ गई। इस युग में दैनिक जागरण (कानपुर 1947), दैनिक भास्कर (भोपाल 1958), अमर उजाला (आगरा 1948), नवभारत टाइम्स (मुंबई 1950), नई दुनिया (इंदौर 1947), राजस्थान पत्रिका (जयपुर 1956), पंजाब केसरी (जालंधर 1966), जनसत्ता (दिल्ली 1983) और राष्ट्रीय सहारा (दिल्ली 1998) जैसे कई महत्वपूर्ण समाचार पत्र प्रभावशाली आवाजों के रूप में उभरे।

स्वतंत्रता के बाद की अवधि में धर्मयुग (1949), साप्ताहिक हिंदुस्तान (1950), और दिनमान (1965) सहित कई ऐतिहासिक हिंदी पत्रिकाओं का उदय हुआ। आधुनिक हिंदी पत्रकारिता को अज्ञेय, धर्मवीर भारती और रघुवीर सहाय जैसे प्रतिष्ठित लेखकों और संपादकों के साथ-साथ राजेंद्र माथुर, प्रभाष जोशी, शरद जोशी और कर्पूर चंद्र 'कुलिश' जैसी प्रभावशाली हस्तियों ने आकार दिया। आपातकाल (1975-77) की घोषणा ने हिंदी पत्रकारिता के सामने एक बड़ी चुनौती पेश की। आपातकाल (1975-77) के दौरान हिंदी पत्रकारिता ने प्रेस सेंसरशिप के कड़े प्रहार झेले, जहाँ कई समाचार पत्रों को सरकारी अनुमति के बिना छपने की मनाही थी। इस कठिन दौर में 'जनसत्ता' और 'नई दुनिया' जैसे प्रकाशनों ने असहमति व्यक्त करने के लिए साहसी रुख अपनाया और संपादकीय पन्ने खाली छोड़कर या प्रतीकात्मक विरोध के जरिए लोकतंत्र की आवाज़ को जीवित रखा। इस कालखंड ने हिंदी पत्रकारिता को सत्ता के प्रति सतर्क और अधिक परिपक्व बनाया।

इस दशक में हिंदी पत्रकारिता ने तकनीकी नवाचार और 'हाइपर-लोकल' (जिला संस्करणों) के विस्तार के माध्यम से ग्रामीण और अर्ध-शहरी बाजारों में अपनी गहरी पैठ बनाई। इस दौरान उदारीकरण और निजी विज्ञापनों की बाढ़ ने हिंदी प्रेस को एक बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित किया, जिससे पत्रकारिता एक मिशन के साथ-साथ एक प्रतिस्पर्धी उद्योग में बदल गई। इस कालखंड में बेहतर विजुअल डिजाइन और क्षेत्रीय मुद्दों को प्रमुखता मिलने से पाठकों की संख्या में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई। 20वीं सदी के अंत और 21वीं सदी की शुरुआत में आज तक, ज़ी न्यूज़ और एनडीटीवी इंडिया जैसे चैनलों के साथ हिंदी टेलीविजन पत्रकारिता का उदय हुआ। इन चैनलों ने समाचारों को त्वरित, दृश्यात्मक और जनसामान्य की भाषा में प्रस्तुत कर पत्रकारिता को घर-घर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लाइव रिपोर्टिंग, स्टूडियो डिबेट, चुनाव विश्लेषण और विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से हिंदी टीवी पत्रकारिता ने जनमत निर्माण, राजनीतिक जागरूकता और सामाजिक विमर्श को नई दिशा प्रदान की।

21वीं सदी में डिजिटल मीडिया ने हिंदी पत्रकारिता को नई गति, व्यापकता और वैश्विक पहुँच प्रदान की है। समाचार वेबसाइटों, मोबाइल एप्स, यूट्यूब चैनलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से हिंदी पत्रकारिता अब हर वर्ग और हर क्षेत्र तक तुरंत पहुँच रही है। यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स (ट्विटर) जैसे प्लेटफॉर्म आज समाचार प्रसार के प्रमुख माध्यम बन गए हैं। डिजिटल तकनीक के विकास ने हिंदी पत्रकारिता को अधिक संवादात्मक, प्रभावशाली और जनभागीदारी आधारित माध्यम के रूप में स्थापित किया है। हालाँकि, इसने फर्जी खबरें (फेक न्यूज) और गलत सूचनाओं जैसी चुनौतियां भी पैदा की हैं, जिससे 'फैक्ट-चेकिंग' (तथ्यों की जांच) पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।
अपनी 200 साल की यात्रा के दौरान, हिंदी पत्रकारिता ने राष्ट्र-निर्माण, सामाजिक सुधार और लोकतंत्र के सजग प्रहरी के रूप में कई भूमिकाएं निभाई हैं। वर्तमान में, हिंदी पत्रकारिता के सामने पेड न्यूज, विज्ञापन पर अत्यधिक निर्भरता, संपादकीय स्वतंत्रता से समझौता और राजनीतिक दबाव जैसी गंभीर चुनौतियां हैं। इन चुनौतियों के कारण पत्रकारिता की निष्पक्षता, विश्वसनीयता और जनहितकारी भूमिका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बदलते मीडिया परिदृश्य में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए स्वतंत्र, नैतिक और उत्तरदायी पत्रकारिता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। अतः भविष्य की राह नवाचार को अपनाने और नैतिक मानकों को बनाए रखने में निहित है। 'उदंत मार्तंड' की साधारण शुरुआत से लेकर तेज़-तर्रार डिजिटल युग तक, हिंदी पत्रकारिता अपने पाठकों की बदलती जरूरतों के अनुसार लगातार विकसित हुई है। जैसे ही यह अपनी तीसरी शताब्दी में प्रवेश कर रही है, इसे सत्य, अखंडता और जनसेवा के अपने मूल मूल्यों पर टिके रहते हुए डिजिटल युग की नई तकनीकों के साथ कदम मिलाकर चलना होगा।

खुर्जा परियोजना में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया

खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना में 17 जून, 2026 को योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, अनुबंध कर्मियों, लेडीज़ क्लब की सदस्याओं एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस वर्ष योग दिवस की थीम "स्वस्थ आयु के लिए योग" को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम का आयोजन 17 जून से लेकर 20 जून, 2026 तक सरस्वती अतिथि गृह के सेंट्रल हॉल में किया गया। योग प्रशिक्षक श्री वीरेश कुमार यादव के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासनों, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। कार्यक्रम का आयोजन मानव संसाधन विभाग द्वारा किया गया।

टिहरी परियोजना में 15 दिवसीय स्वास्थ्य एवं योग पखवाड़े का आयोजन

टिहरी परियोजना में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के दैनिक कार्यों के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य एवं जीवन शैली को बेहतर एवं स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से 11 जून, 2026 से 25 जून, 2026 तक 15 दिवसीय स्वास्थ्य एवं योग पखवाड़े का आयोजन किया गया। यह पखवाड़ा आयुर्वेद न्यूरो सेंटर के सहयोग से आयोजित किया गया। पखवाड़े के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रतिदिन योगाभ्यास, प्राणायाम, ध्यान, न्यूरोथेरेपी तथा अन्य स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। अनुभवी प्रशिक्षकों डॉ. अमित सोनी एवं टीम के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया तथा मानसिक तनाव को कम करने, शारीरिक क्षमता बढ़ाने एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की दिशा में सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित न्यूरोथेरेपी सत्रों में प्रतिभागियों द्वारा शरीर के विभिन्न न्यूरो-पॉइंट्स (दबाव बिंदुओं) पर नियमित रूप से न्यूरोथेरेपी की गई।
प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में तनाव निवारण, रक्त संचार में सुधार, मांसपेशियों के तनाव को कम करने, शरीर की प्राकृतिक उपचार क्षमता को सक्रिय करने तथा समग्र स्वास्थ्य संवर्धन के उद्देश्य से विभिन्न न्यूरो-पॉइंट्स पर व्यवस्थित रूप से दबाव देकर न्यूरोथेरेपी कराई गई। प्रतिभागियों ने स्वयं भी इन तकनीकों का अभ्यास किया तथा दैनिक जीवन में उपयोगी न्यूरोथेरेपी विधियों को अपनाने का संकल्प लिया। सत्रों के दौरान न्यूरोथेरेपी के नियमित अभ्यास के महत्व, उसके स्वास्थ्यवर्धक प्रभावों तथा आत्म-देखभाल में उसकी उपयोगिता पर भी विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए योग एवं न्यूरोथेरेपी को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया। इस आयोजन के माध्यम से टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने अपने मानव संसाधनों के समग्र स्वास्थ्य, मानसिक सुदृढ़ता एवं कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया।

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Sh. Sandeep Singhal
ED (Technical)
Rishikesh
DOR: 30.06.2026

Sh. Sandeep Singhal, Executive Director (Technical), superannuated from THDC India Limited on 30th June, 2026 concluding an illustrious career of over 36 years of dedicated service to the Corporation.

Joining THDC India Limited in 1990, Sh. Singhal made significant contributions to the organization's growth through his technical excellence, visionary leadership, and unwavering commitment. As Executive Director (Technical), he provided strategic leadership to the Design–Civil & Electro-Mechanical, Geology & Geotechnical (G&G), Operation Management Services (OMS), Research & Development (R&D), and Services Departments, playing a pivotal role in strengthening THDCIL's technical capabilities and project excellence. In recognition of his exemplary leadership and outstanding contributions to THDC India Limited and the power sector, he was honored with the Gaurav Award–2024. His contributions to THDCIL will always be remembered.

Sh. S. K. Chauhan
CGM (Business Development), Rishikesh
DOR: 30.06.2026

Er. S.K. Chauhan, Chief General Manager (Business Development), superannuated from THDC India Limited on 30th June, 2026, after rendering over 36 years of dedicated service to the Corporation.

Joining THDCIL in 1990, Sh. Chauhan contributed to various areas including design & engineering, construction management, project planning, quality assurance, safety, research & development, and business development. He played an important role in the rehabilitation of Tehri villages, the execution of major hydropower projects, and the promotion of innovation through THDCIL's Research & Development initiatives, including the filing of the Corporation's first Intellectual Property Rights (IPR) applications.

श्री अंबिका प्रसाद व्यास
अपर महाप्रबंधक (टुस्को)
लखनऊ
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री उदय भान सिंह
अपर महाप्रबंधक
झांसी
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री एन. के. उपाध्याय
उप महाप्रबंधक (सतर्कता)
अमेलिया
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री सुशील कुमार उनियाल
उप महाप्रबंधक (सू. प्रौ.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री पूर्णनन्द ढंगवाल
वरिष्ठ प्रबंधक (सतर्कता)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री उमराव सिंह पंवार
वरिष्ठ प्रबंधक, पीएसडी (बीआरएम)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

मन:प्रशमनोपायो योग इत्यभिधीयते।
The recourse to pacify the mind is called yoga.

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

श्री बिपिन चंद्र गुसाईं
वरिष्ठ प्रबंधक (पुनर्वास एवं समन्वय)
नई टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री सदिक रहमान
वरिष्ठ प्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री बी. एस. नेगी
वरिष्ठ प्रबंधक (सा. एवं पर्या.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री भगत सिंह नेगी
प्रबंधक (सा. एवं पर्या.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री विकास मोहन ड्युंडी
उप प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री राजेंद्र सिंह नेगी
उप प्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री शिव शरण बहुगुणा
कनिष्ठ कार्यापालक (पीएसपी)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री भरत सिंह
कनिष्ठ अधिशासी (डिजाइन-सिविल)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री अजय पाल सिंह पुंडीर
कनिष्ठ अधिशासी (नियोजन)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री दुर्गा प्रसाद नौटियाल
कनिष्ठ अभियंता (यांत्रिक)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री दीपेंद्र सिंह
कनि. अभियंता (ओ एंड एम)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री गणेश प्रेमी भारतीय
उप अभियंता (यांत्रिक)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री लाल मणि
उप अधिकारी, पीएसडी (बीआरएम)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री हरी सिंह रावत
परिचारक (सी.एम.डी. सचि.)
कौशांबी
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

श्री योगेंद्र प्रसाद
परिचारक (एम.पी.एस.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30.06.2026

Designed In-House by Corporate Communication
Department, Rishikesh

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www. thdc. co.in, ईमेल: prthdcil@thdc.co.in
गृह पत्रिका/न्यूज़ लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)

Follow us:- @THDCIL 24x7 @THDCIL_MOP @THDC-India-limited @THDCIL India Limited - Official @THDC India Limited-Official